सीयूजे में गांधी जयंती पर दो दिवसीय कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : झारखण्ड केंद्रीय विश्वविद्यालय में गांधी स्टडी सेंटर के द्वारा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास की अध्यक्षता में दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान स्पेशल व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। नेशनल लॉ यूनिर्विसटी , रांची डॉ. अरबिद साहू एवं डॉ नरेंद्र नरोत्तम को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। आमंत्रित वक्ताओं ने अपने सारगिंभत व्याख्यान में महात्मा गांधी के विचारों और सिद्धांतों पर प्रकाश डाला और उनकी सभी के प्रति सद्भावना दृष्टि को अपनाने की बात कही। उन्होंने व्याख्यान देते हुए कहा की अगर देश को और मानव समाज को हमें एक सुरक्षित भविष्य की और ले जाना है तो एक सस्टेनेबल विकास की राह पर चलना होगा और सस्टेनेबल विकास का पथ गांधी दर्शन के बिना अधूरा है। आमंत्रित वक्ताओं के अलावा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने भी गांधी दर्शन अपना विचार रखा। उन्होंने कहा की अगर उनीसवीं , बीसवीं इक्सवीं शताब्दी गांधी दर्शन की महत्व बना हुआ है और आज भी राष्ट्र और मानव समाज को उसकी जरुरत महशुस हो रही है तो वास्तव में गांधी जीवन और उनके द्वारा अपनाये और व्यावहारिक रूप से अपने जीवन में प्रयोग किये गए दर्शन में कुछ तो ऐसी महत्वपूर्ण शक्ति है जिसे हमें पहचानना और फिर समझना होगा और अपने आपको उस राह पर लाना होगा।

हिंदी पखवाडा समापन समारोह आयोजित

सीयूजे में हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह का आयोजन किया। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस पखवाड़े की शुरुआत 14 सितंबर को हुई थी। इस अवसर पर अनेक कार्यक्रम और प्रतियोगताएं जैसे- हिंदी संबंधी प्रश्नोत्तरी, संक्षेपण, पल्लवन, नारा लेखन, लघु कथा, फिल्म समीक्षा और हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओएस डॉ. जयनारायण नायक ने कहा कि हिंदी के प्रचार प्रसार में यदि सबसे ज्यादा किसी का योगदान है तो वो है हिंदी सिनेमा और टेलीवीजन का। हिंदी रोजगार की भाषा है और बहुत तेजी से पूरे विश्व में फैल रही है। उन्होंने कहा कि गैर हिंदी भाषी क्षेत्रों के लोगो को हिंदी बोलने की झिझक को दूर करने की जरुरत है।